प्राध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा - 2018
(हिन्दी)

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /
Question Paper Booklet No.

5110013

LSk-02

परीक्षा दिनांक : 05/08/2020
समय : 9:00 to 12:00

Paper Code : 02

SUBJECT : Hindi

Paper - II

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।

The candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the Paper Seal / Polythene bag. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. **OMR** उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्र निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
6. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

1. 'पीयूष प्रवाह' में संकलित 'सत्य के प्रयोग' नामक आत्मकथा के विभिन्न अंशों के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) 'सभ्य पोषाक में' शीर्षक अंश विद्यार्थियों को छद्म आकर्षणों से बचने की सलाह देता है ।

(2) 'बलवान से भिड़ंत' शीर्षक अंश अन्याय से डटकर मुकाबला करने की हिम्मत बंधाता है ।

(3) 'आत्मिक शिक्षा' शीर्षक अंश हमें संयम और आत्म-निर्माण के लिए प्रेरित करता है ।

(4) 'शांति निकेतन' शीर्षक अंश में शांति-स्थापना पर बल दिया गया है ।

2. 'मानस का हंस' किसके जीवन पर आधारित उपन्यास है ?

(1) सूरदास

(2) गोस्वामी तुलसीदास

(3) स्वामी विवेकानंद

(4) रामकृष्ण परमहंस

3. "नाथ बयरु कीजे ताहीं सों ।
बुधि बल सकिअ जीति जाही सों ।।
तुम्हहिं रघुपति अंतर कैसा ।
खलु ..... जैसा ।।"

'सरयू' में संकलित उक्त काव्यांश में मंदोदरी ने राम-रावण की उपमा किससे दी है ?

(1) सूर्य और जुगनू से

(2) सूर्य और दीपक से

(3) सागर और नदी से

(4) दिन और रात से

4. "प्रेम मार्ग का ऐसा प्रवीण और धीर पथिक तथा जवाँदानी का ऐसा दावा रखने वाला ब्रजभाषा का दूसरा कवि नहीं हुआ ।" घनानंद के संबंध में 'सरयू' से उद्धृत यह कथन किस विद्वान का है ?

(1) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(2) डॉ. नगेन्द्र

(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

5. 'किरन धेनुएँ' (सरयू में संकलित) कविता में ग्वालिन किसे कहा गया है ?

(1) रात्रि को

(2) प्रात: बेला को

(3) वसुधा को

(4) क्षितिज रेखा को

6. 'सरयू' में संकलित इन रचनाओं से संबंधित कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) मिठाई वाला – यह बाल मनोविज्ञान से संबंधित कहानी है ।

(2) गुल्ली-डंडा – इस कहानी में कथा-नायक और गया दोनों समान पद-प्रतिष्ठा वाले पात्र हैं ।

(3) अलोपी – यह संस्मरणात्मक रचना है ।

(4) सेव और देव – इस कहानी में नैतिक मूल्यों और सत् की प्रतिष्ठा की गई है ।

7. इनमें से कौन सा कथन 'भक्ति आंदोलन और तुलसीदास' (सरयू में संकलित पाठ) में स्थापित मान्यताओं से मेल नहीं खा रहा है ?

(1) भक्ति-साहित्य का उद्‌भव मुस्लिम पराधीनता-जन्य निराशा से हुआ ।

(2) भक्ति-आंदोलन से भावात्मक एकता स्थापित हुई ।

(3) भक्ति-आंदोलन अखिल भारतीय सांस्कृतिक आंदोलन था ।

(4) भक्ति-आंदोलन विशुद्ध देशज आंदोलन था ।

8. 'मंदाकिनी' में संकलित पाठ – 'हमारी पुण्यभूमि और इसका गौरवमय अतीत' किस महापुरुष के भाषण का अंश है ?

(1) स्वामी विवेकानंद

(2) स्वामी दयानंद सरस्वती

(3) महात्मा गांधी

(4) स्वामी रामतीर्थ

9. 'डॉ. रामकुमार वर्मा से बातचीत' (मंदाकिनी में संकलित) पाठ के आधार पर बताइए कि रामकुमार वर्मा को गद्य-गीत लिखने की प्रेरणा कहाँ से मिली ?

(1) यूनिवर्सिटी ड्रामेटिक एसोसिएशन से

(2) पिताजी से

(3) जबलपुर की मित्र-मंडली से

(4) काश्मीर की प्राकृत शोभा से

10. "काँपती उँगलियों में कस कर पकड़ा हुआ अखबार और आँखों में बाण-बिद्ध क्रौंच-युगल की मूक पीड़ा थी, ... ।" यह गद्यांश 'मंदाकिनी' के किस पाठ से उद्धृत है ?

(1) सुभद्रा

(2) भोर का तारा

(3) निर्वासित

(4) यात्रा : एक पावन तीर्थ की

11. "काग के भाग बड़े सजनी ..... माखन रोटी ।" 'प्रज्ञा प्रवाह' में संकलित रसखान द्वारा रचित इस काव्यांश में काग के भाग्य की सराहना क्यों की गई है ?

(1) माखन-रोटी मिलने के कारण

(2) श्रीकृष्ण के हाथ का स्पर्श कर लेने के कारण

(3) नंद-जसोदा के दर्शन-सुख के कारण

(4) गोपियों के दर्शन-सुख के कारण

12. निम्नलिखित में दुष्यंत कुमार का गजल-संग्रह है :

(1) साये में धूप

(2) आवाज के घेरे

(3) छोटे-छोटे सवाल

(4) मसीहा मर गया

13. 'मित्रता' (प्रज्ञा प्रवाह में संकलित) नामक निबंध में विश्वासपात्र मित्र की उपमा किससे दी गई है ?

(1) हीरे से (2) औषध से

(3) वृक्ष से (4) घोड़े से

14. 'प्रज्ञा प्रवाह' में संकलित 'हार की जीत' में बाबा भारती डाकू खड़गसिंह को घोड़ा छीन लेने की बात किसी को बताने के लिए क्यों मना करता है ?

(1) बदनामी के भय से

(2) जनता द्वारा विद्रोह कर लेने के भय से

(3) पुलिस कार्रवाई के भय से

(4) गरीब-अपाहिजों पर से विश्वास उठ जाने के भय से

15. 'प्रज्ञा प्रवाह' में संकलित 'निराला भाई' संस्मरण के आधार पर बताइए कि इनमें से कौन सी विशेषता निराला के व्यक्तित्व से मेल नहीं खाती है ?

(1) प्रतिकूल परिस्थितियों से उन्होंने कभी हार नहीं मानी ।

(2) उनमें औढर दान की प्रवृत्ति थी ।

(3) उनका जीवन बहुत व्यवस्थित था ।

(4) वे विचार से क्रांतदर्शी और आचरण से क्रांतिकारी थे ।

16. "बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं । बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं ।" 'बड़े घर की बेटी' कहानी में यह कथन किसका है ?

(1) आनंदी

(2) लालबिहारी

(3) श्रीकंठ

(4) बेनीमाधव सिंह

17. इनमें से कौन सी कहानी रूपक शैली में लिखी गई है ?

(1) बड़े घर की बेटी

(2) देशभक्त

(3) शरणदाता

(4) जैसलमेर की राजकुमारी

18. "आयौ घोष बड़ौ व्यौपारी ।" 'अपरा' से उद्धृत इस काव्य-पंक्ति में 'घोष' शब्द का क्या अर्थ है ?

(1) बाजार

(2) विख्यात

(3) अहीरों की बस्ती

(4) नगर

19. 'अपरा' में संकलित 'द्रुत झरो' कविता में कवि क्या कामना करता है ?

(1) आशापूर्ण नवयुग के आगमन की

(2) विश्वबंधुत्व की

(3) हरे-भरे खेत-खलिहानों की

(4) स्वच्छ-सुंदर पर्यावरण की

20. "शुभ सांत्वना हैं शोक में वे,
और ओषधि रोग में ।"
'अपरा' से उद्धृत इस काव्य-पंक्ति में 'सांत्वना' और 'ओषधि' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं ?

(1) मित्र के लिए

(2) माँ के लिए

(3) पत्नी के लिए

(4) पिता के लिए

21. 'अपरा' में संकलित किस गद्य-रचना में मानवेतर जीवों का सजीव चित्रण हुआ है ?

(1) भारतीय जीवन-दर्शन एवं संस्कृति

(2) निक्की, रोजी और रानी

(3) यात्रा का रोमांच

(4) धरा और पर्यावरण

22. 'अपरा' में संकलित 'नशा' कहानी का व्यंग्य-विषय क्या है ?

(1) कथनी और करनी की विसंगति

(2) नेताओं का दुहरा चरित्र

(3) सत्ता का मोह

(4) नशाखोरी की दुष्प्रवृत्ति

23. 'आलोक' में संकलित रचना - 'स्वातंत्र्य उपासक - महाराणा प्रताप' के आधार पर बताइए कि अब्दुल रहीम खानखाना प्रताप से युद्ध लड़े बिना ही मेवाड़ से क्यों लौट गया था ?

(1) प्रताप के छापामार युद्ध-कौशल से घबराकर

(2) अकबर के बुलावे पर

(3) प्रताप के चरित्र की महानता से प्रभावित होकर

(4) अस्वस्थ होने के कारण

24. "यदि मुझमें हास्य की प्रवृत्ति न होती तो मैंने कभी का आत्मघात कर लिया होता ।" 'आलोक' में संकलित 'गांधीजी' के आधार पर बताइए कि गांधीजी ने यह बात किससे कही थी ?

(1) मि. एंड्रूज से

(2) महादेव भाई से

(3) पद्मजा नायडू से

(4) विलायती संवाददाता से

25. ग्रंथ और लेखक से संबंधित कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) हिंदी भाषा और साहित्य - श्यामसुंदर दास

(3) रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

(4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. धीरेंद्र वर्मा

26. "रीतिकाल के कवियों के परिचय लिखने में मैंने प्राय: 'मिश्रबंधु विनोद' से ही विवरण लिए हैं ।" यह कथन किसका है ?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) रामकुमार वर्मा

(4) गणपतिचंद्र गुप्त

27. हिंदी साहित्येतिहास से संबंधित किस ग्रंथ में 693 ई. से 1693 ई. तक की कालावधि को ही समाहित किया गया है ?

(1) मिश्रबंधु विनोद

(2) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

(3) शिवसिंह सरोज

(4) हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास

28. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन करने वाले प्रथम इतिहासकार हैं –

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन

(2) शिवसिंह सेंगर

(3) मिश्रबंधु

(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

29. इनमें से कौन सा तथ्य सही नहीं है ?

(1) 'राउलवेल' में नायिका का नख-शिख वर्णन है ।

(2) 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण' एक व्याकरण ग्रंथ है ।

(3) 'वर्णरत्नाकर' में काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का विवेचन है ।

(4) 'वसंतविलास' में वसंत और स्त्रियों पर उसके विलासपूर्ण प्रभाव का चित्रण है ।

30. निम्नलिखित रचनाओं और रचनाकारों को सुमेलित कीजिए :

(क)	श्रावकचार	1. जगनिक
(ख)	परमाल रासों	2. शालिभद्र सूरि
(ग)	भरतेश्वर बाहुबली रास	3. रामसिंह
(घ)	पाहुड़दोहा	4. देवसेन

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(1)	1	3	2	4
(2)	4	2	3	1
(3)	3	2	4	1
(4)	4	1	2	3

31. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) जैन कवियों की रचनाएँ आचार, रास, फागु चरित आदि शैलियों में मिलती हैं ।

(2) सिद्धों की रचनाएँ प्रमुखत: दो काव्यरूपों- दोहाकोश और चर्यापद में उपलब्ध हैं ।

(3) नाथ सिद्धों की वाममार्गी भोगप्रधान योग-साधना के पक्षधर थे ।

(4) वीरगाथाओं के रूप में लिखित रासो काव्य जैन रास काव्य से भिन्न हैं ।

32. राहुल सांकृत्यायन ने हिंदी का प्रथम कवि किसे माना है ?

(1) पुष्य/पुंड

(2) सरहपा/सरहपाद

(3) शालिभद्र सूरि

(4) स्वयंभू

33. निम्नलिखित में गलत कथन है –

(1) रीतिकाल के लक्षण ग्रंथ संस्कृत लक्षण ग्रंथों की छाया से पूर्णत: मुक्त हैं ।

(2) लक्षणमुक्त कविता ही वास्तव में रीतिकाल का प्राणतत्त्व है ।

(3) रीतिकालीन कवियों को अपने आश्रयदाताओं की रुचि के अनुसार काव्य लिखना पड़ता था ।

(4) आचार्य शुक्ल रीतिकाल का प्रारंभ चिंतामणि से मानते हैं ।

34. रीतिकाल के कवियों के विषय में कौन सा कथन असंगत है ?

(1) सेनापति की विशेष प्रसिद्धि उनके प्रकृति-चित्रण और श्लेष चमत्कार के कारण है ।

(2) देव को आचार्य रूप में विशेष सफलता प्राप्त नहीं हुई ।

(3) पद्माकर रीतिकाल के अंतिम प्रतिभा संपन्न कवि हैं ।

(4) मतिराम ललित शब्दावली में कोमल भावनाओं को व्यक्त करने वाले कवि हैं ।

35. बिहारी के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) इन्होंने आचार्य केशवदास से काव्य-शिक्षा ग्रहण की ।

(2) हिंदी में समास-पद्धति की शक्ति का परिचय सबसे अधिक इन्होंने ही दिया है ।

(3) काव्य के लिए अपेक्षित सभी विषयों का सामान्य परिचय इन्हें था ।

(4) मिश्रबंधुओं ने इन्हें देव से बड़ा कवि माना है ।

36. इनमें से कौन सा ग्रंथ भूषण-रचित नहीं है ?

(1) शिवराज भूषण (2) शिवाबावनी

(3) भाषाभूषण (4) छत्रसाल दशक

37. कौन सी रचना लक्षण ग्रंथ नहीं है ?

(1) काव्य निर्णय (2) रामचंद्रिका

(3) रस रहस्य (4) ललितललाम

38. इनमें से किस कवि को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा गया है ?

(1) कबीर (2) सूरदास

(3) केशवदास (4) चिंतामणि

39. किस विकल्प में रचना और रचनाकार सुमेलित नहीं हैं ?

(1) सिद्धांत सार – द्विजदेव

(2) काव्य विवेक – चिंतामणि

(3) शृंगार निर्णय – भिखारीदास

(4) जगद्विनोद – पद्माकर

40. भारतेंदु युग के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) इस युग का लगभग प्रत्येक कवि या लेखक किसी न किसी पत्र का संपादक था ।

(2) इस युग के कवियों ने ब्रजभाषा की प्राचीन काव्य-शैली को पूर्णत: त्यागकर नवीन शैली को अपना लिया ।

(3) इस युग की कविता में अंग्रेजों की साम्राज्यवादी नीति आर्थिक शोषण, काले-गोरे का भेदभाव आदि का विरोध मिलता है ।

(4) बालकृष्ण भट्ट और प्रतापनारायण मिश्र इस युग के उल्लेखनीय निबंधकार हैं ।

41. भारतेंदु हरिश्चंद्र के संबंध में असत्य कथन है –

(1) वे नवयुग के अग्रदूत और आधुनिकता के जन्मदाता थे ।

(2) पं. रघुनाथ, पं. सुधाकर द्विवेदी, पं. रामेश्वरदत्त व्यास आदि के प्रस्तावानुसार हरिश्चंद्र को 1880 ई. में 'भारतेंदु' की पदवी से विभूषित किया गया ।

(3) उन्होंने प्राचीन की पूर्ण उपेक्षा करके नवीन का अंधानुकरण किया ।

(4) उन्होंने अंग्रेजों की प्रशंसा तो की किंतु अपनी आत्मा और अपने व्यक्तित्व का हनन नहीं किया ।

42. द्विवेदी युग के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) इस युग का नामकरण आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के नाम के आधार पर किया गया है ।

(2) भाषा को परिष्कृत करने तथा शब्द-भंडार बढ़ाने के उत्साह में इस युग में खड़ी बोली आवश्यकता से अधिक संस्कृत गर्भित हो गई ।

(3) इस युग में प्रधानता इतिवृत्तात्मक काव्य की रही ।

(4) इस युग के कवियों ने रुढ़ियों और परंपराओं के स्थान पर प्रकृति, मानव और जीवन के संबंध में व्यापक दृष्टिकोण ग्रहण किया ।

43. कौन सा कथन मैथिलीशरण गुप्त के कृतित्व से मेल नहीं खा रहा है ?

(1) खड़ी बोली के स्वरूप निर्धारण और विकास में इनका योगदान अन्यतम है ।

(2) उर्मिला, यशोधरा, विष्णुप्रिया आदि इनकी अपूर्व चरित्र सृष्टियाँ हैं ।

(3) इनकी प्राय: सभी रचनाएँ राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत हैं ।

(4) इनकी सर्वाधिक प्रचारित रचना - 'भारत भारती' पाँच खंडों में विभक्त है ।

44. 'हरिऔध' की कौन सी कृति उपन्यास है ?

(1) रसकलश

(2) ठेठ हिंदी का ठाठ

(3) चोखे चौपदे

(4) प्रियप्रवास

45. इनमें से कौन सा कथन गलत है ?

(1) कबीर शास्त्रीय ज्ञान की अपेक्षा अनुभव ज्ञान को अधिक महत्त्व देते थे ।

(2) उत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन का सूत्रपात कबीर की प्रेरणा से ही हुआ ।

(3) कबीर ऐसे जनकवि थे, जिन्होंने भक्ति आन्दोलन को सिद्धान्त की मंजूषा से निकालकर व्यावहारिक धरातल प्रदान किया ।

(4) धार्मिक रुढ़ियों, बाह्य आडंबरों, सामाजिक कुरीतियों आदि का कबीर आजन्म विरोध करते रहे ।

46. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) अष्ट छाप के कवियों में सूर अग्रणी भक्त कवि थे ।

(2) अष्ट छाप में दीक्षित होने से पूर्व सूर ने दैन्यपूर्ण भक्ति के पदों की भी रचना की थी ।

(3) 'भ्रमरगीत' सूरसारावली का सबसे मार्मिक प्रसंग है ।

(4) भ्रमरगीत का मुख्य आधार श्रीमद्भागवत का दशम स्कंद है ।

47. जायसी के 'पद्मावत' से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) यह अवधी भाषा का प्रथम महाकाव्य है ।

(2) इसमें कवि ने अपने जनपद की रीति-नीति, मौसम, ऋतुओं आदि का जीवंत एवं मार्मिक चित्रण किया है ।

(3) पद्मावती के प्रति रतनसेन का प्रेम साधनात्मक या आध्यात्मिक प्रेम है, जबकि रतनसेन के प्रति नागमती का प्रेम गार्हस्थिक या लौकिक प्रेम है ।

(4) पद्मावत की रचना जायसी ने परिनिष्ठित साहित्यिक अवधी भाषा में की है ।

48. आलवार भक्तों/संतों से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) तमिल प्रदेशीय आलवार भक्तों की संख्या आठ मानी जाती है ।

(2) सगुण उपासक आलवार भक्तों द्वारा प्रवाहित भक्ति की पावन धारा दक्षिण से उत्तर भारत में आयी ।

(3) इन भक्तों ने स्त्री-पुरुष, ब्राह्मण-अब्राह्मण सबके लिए भक्ति को सुलभ बना दिया ।

(4) तमिल की मीरा कहलाने वाली 'आंडाल' भी आलवार थी ।

49. कृष्ण भक्ति धारा में 'पुष्टि मार्ग का जहाज' किसे कहा गया है ?

(1) वल्लभाचार्य को (2) सूरदास को

(3) कुंभनदास को (4) विट्ठलनाथ को

50. 'कबीर की परिचई' के लेखक हैं

(1) अनन्तदास (2) रैदास

(3) धर्मदास (4) मुकुन्ददास

51. रचना और रचनाकारों की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) चित्रावली - उस्मान

(2) कनकावती - जानकवि

(3) हंस जवाहिर - कासिम शाह

(4) मधुमालती - कुतुबन

52. इनमें सगुण-निर्गुण उपासना विषयक कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) सगुण और निर्गुण दोनों ही उपासक सत्संग, गुरु महिमा तथा स्मरण के साथ-साथ तीर्थाटन को भी भक्ति का आवश्यक अंग मानते हैं ।

(2) अवतारवाद सगुण उपासना का मेरुदंड है ।

(3) निर्गुण उपासक पुराणों में वर्णित अवतारों और उनके विग्रह आदि को नहीं मानते ।

(4) अवतारवाद का खंडन करने के बावजूद भी निर्गुण उपासक, ब्रह्म को इन्द्रिय गम्य बनाने के लिए, उस निर्गुण-निराकार पर रूपक, प्रतीक आदि का आरोप करते हैं ।

53. 'यदि हम आचार्यत्व और कवित्व दोनों के एक अनूठे संयोग की दृष्टि से विचार करते हैं तो मतिराम, श्रीपति और दास से ये कुछ बीस ही ठहरते हैं ।' – आचार्य रामचंद्र शुक्ल का यह कथन किसके लिए है?

(1) चिन्तामणि (2) देव

(3) प्रतापसाहि (4) पद्माकर

54. किस विकल्प की सभी रचनाएँ महाकवि देव की हैं ?

(1) काव्यरसायन, छन्दार्णव, काव्यविलास

(2) भावविलास, कविकल्पद्रुम, काव्यप्रकाश

(3) रसविलास, अलंकारमाला, भवानी-विलास

(4) भावविलास, अष्टयाम, काव्यरसायन

55. 'कविकुल कंठाभरण' ग्रन्थ के रचयिता हैं :

(1) ग्वालकवि (2) श्रीपति

(3) सूरति मिश्र (4) दूलह

56. सूफी काव्य से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) सूफी काव्य रचना में सर्वप्रथम गुरु की वंदना की जाती है, फिर परमात्मा और पैगंबर का स्मरण करते हैं ।

(2) सूफी कवि लौकिक या सांसारिक प्रेम को आध्यात्मिक प्रेम में बाधक नहीं अपितु साधक मानते हैं ।

(3) वे प्रेम के द्वारा परमात्मा को प्राप्त करने की बात कहते हैं ।

(4) बहुसंख्यक सूफी कवियों ने लौकिक प्रेम कहानियों के माध्यम से अपना आध्यात्मिक प्रेम अभिव्यक्त किया है ।

57. 'शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली और इतना महिमान्वित भारतवर्ष में दूसरा नहीं हुआ ।... भक्ति-आन्दोलन से पूर्व सबसे शक्तिशाली आन्दोलन गोरखनाथ का भक्तिमार्ग ही था ।' – गोरख के बारे में उक्त विचार किस विद्वान के हैं ?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(2) परशुराम चतुर्वेदी

(3) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

58. इन रचनाओं को रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प का चयन कीजिए :

	रचना		रचनाकार
A.	ज़िन्दगी और जोंक	(i)	ज्ञानरंजन
B.	फेंस के इधर और उधर	(ii)	रांगेय राघव
C.	गदल	(iii)	राजेन्द्र यादव
D.	जहाँ लक्ष्मी कैद है	(iv)	अमरकान्त

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

59. इन रचनाकारों को संबंधित रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	रचनाकार		रचनाएँ
A.	मृदुला गर्ग	(i)	आठवाँ सर्ग
B.	शंकर शेष	(ii)	देवयानी का कहना है
C.	सुरेन्द्र वर्मा	(iii)	एक और द्रोणाचार्य
D.	रमेश बक्षी	(iv)	एक और अजनबी

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

60. इन रचनाओं को संबंधित रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प का चयन कीजिए :

	रचनाएँ		रचनाकार
A.	वापसी	(i)	बदी उज्जमा
B.	एक चूहे की मौत	(ii)	विष्णु प्रभाकर
C.	आवारा मसीहा	(iii)	उषा प्रियम्वदा
D.	मछली मरी हुई	(iv)	राजकमल चौधरी

	A	B	C	D
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

61. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) 'पुनर्नवा' हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा, प्रथम पुरुष शैली में रचित, लोकप्रिय उपन्यास है।

(2) 'लहरों के राजहंस' रचना का प्रेरणा स्रोत अश्वघोष रचित 'सौन्दरनन्द' है।

(3) ध्रुवस्वामिनी नाटक में, प्रकारांतर से, नारी अधिकारों की आवाज बुलंद की गई है।

(4) 'तुलसीदास' में निराला ने विदेशी संस्कृति पर भारतीय संस्कृति की विजय को प्रतिष्ठापित किया है।

62. इन रचनाओं को रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	रचनाएँ		रचनाकार
A.	रस सिद्धान्त	(i)	दिनकर
B.	संस्कृति के चार अध्याय	(ii)	नगेन्द्र
C.	भाषा और समाज	(iii)	नामवर सिंह
D.	दूसरी परम्परा की खोज	(iv)	रामविलास शर्मा

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

63. निम्नलिखित रचनाओं को संबंधित विधाओं के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प का चयन कीजिए :

	रचना		विधा
A.	क्या भूलूँ क्या याद करूँ	(i)	यात्रावृत्त
B.	सौन्दर्य की नदी नर्मदा	(ii)	आत्मकथा
C.	रांगेय राघव : एक अंतरंग परिचय	(iii)	रिपोर्ताज
D.	क्षण बोले कण मुस्काए	(iv)	जीवनी

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

64. इन रचनाओं को संबंधित रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प का चयन कीजिए :

	रचना		रचनाकार
A.	निर्मला	(i)	हरिवंशराय बच्चन
B.	मिलन यामिनी	(ii)	लीलाधर जगूड़ी
C.	नाटक जारी है	(iii)	प्रेमचन्द
D.	द्वन्द्व गीत	(iv)	दिनकर

	A	B	C	D
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

65. इनमें से किस कवि का संबंध 'तीसरा सप्तक' से है ?

(1) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(2) रघुवीर सहाय

(3) स्वदेश भारती

(4) गिरिजाकुमार माथुर

66. निम्नलिखित समकालीन महिला रचनाकारों और उनकी रचनाओं से संबंधित कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) प्रभा खेतान – अहल्या

(2) कात्यायनी – गलत पते की चिट्ठी

(3) अनामिका – खुरदुरी हथेलियाँ

(4) अजंता देव – राख का किला

67. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से दिनकर की इन काव्यकृतियों का सही क्रम किस विकल्प में है ?

(1) रश्मिरथी, रेणुका, सामधेनी, उर्वशी

(2) सामधेनी, रश्मिरथी, उर्वशी, रेणुका

(3) रेणुका, सामधेनी, रश्मिरथी, उर्वशी

(4) रेणुका, रश्मिरथी, उर्वशी, सामधेनी

68. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से पंत की निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम किस विकल्प में है ?

(1) ग्रंथि, स्वर्ण किरण, युगवाणी, चिदम्बरा

(2) ग्रंथि, युगवाणी, स्वर्ण किरण, चिदम्बरा

(3) युगवाणी, ग्रंथि, चिदम्बरा, स्वर्ण किरण

(4) युगवाणी, स्वर्ण किरण, ग्रंथि, चिदम्बरा

69. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रसाद की निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम किस विकल्प में है ?

(1) आँसू, ध्रुवस्वामिनी, स्कंदगुप्त, कामायनी

(2) स्कंदगुप्त, आँसू, कामायनी, ध्रुवस्वामिनी

(3) आँसू, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, कामायनी

(4) ध्रुवस्वामिनी, आँसू, स्कंदगुप्त, कामायनी

70. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय की इन रचनाओं का सही क्रम है

(1) बावरा अहेरी, इत्यलम्, हरी घास पर क्षण भर, आँगन के पार द्वार

(2) हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, इत्यलम्, आँगन के पार द्वार

(3) इत्यलम्, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षण भर

(4) इत्यलम्, हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार

71. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रेमचंद की इन रचनाओं का सही क्रम किस विकल्प में है ?

(1) रंगभूमि, सेवासदन, गबन, गोदान

(2) सेवासदन, रंगभूमि, गबन, गोदान

(3) सेवासदन, गबन, रंगभूमि, गोदान

(4) गबन, सेवासदन, गोदान, रंगभूमि

72. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) अभिधा शक्ति द्वारा केवल रुढ़ शब्दों का अर्थबोध होता है ।

(2) मुख्यार्थ के बाधित होने पर ही लक्षणा शक्ति कार्य करती है ।

(3) व्यंजना शक्ति शब्द के मूल में छिपे हुए अकथित अर्थ को द्योतित करती है ।

(4) व्यंजना शक्ति केवल शब्द पर ही नहीं अर्थ पर भी आधारित रहती है ।

73. निम्नलिखित में कौन सा कथन गलत है ?

(1) विभावना विरोधमूलक अर्थालंकार है ।

(2) उपमान को अप्रस्तुत भी कहते हैं ।

(3) उपमा अलंकार समस्त सादृश्यमूलक अलंकारों का प्राण है ।

(4) दृष्टांत अलंकार में सामान्य कथन का समर्थन विशेष कथन द्वारा किया जाता है ।

74. किस विकल्प में अलंकार और उसका उदाहरण सुमेलित नहीं हैं ?

(1) भ्रांतिमान – जानि स्याम को स्याम-घन नाचि उठे वन मोर ।

(2) श्लेष – बलिहारी नृप-कूप की गुण बिन बूंद न देहिं ।

(3) उदाहरण – सठ सुधरहिं सत-संगति पाई । पारस परसि कु-धातु सुहाई ।।

(4) व्यतिरेक – मुख मयंक सो है सखी ! मधुर वचन सविशेष ।

75. छंदों से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) चौपाई मात्रिक सम छंद है ।

(2) दोहे के विषम चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं ।

(3) उल्लाला मात्रिक अर्द्धसम छंद है ।

(4) द्रुतविलंबित वर्णिक समवृत्त छंद है ।

76. हरिगीतिका छंद के संबंध में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) यह मात्रिक सम छंद है ।

(2) इसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं ।

(3) 16 और 12 मात्राओं पर यति होती है ।

(4) अंत में गुरु-लघु (ऽ।) होता है ।

77. काव्य-गुण के विषय में गलत कथन है

(1) आचार्य मम्मट के अनुसार गुण रस के उत्कर्ष के कारण रूप धर्म हैं।

(2) आचार्य भरत ने गुणों की संख्या आठ मानी है।

(3) जिसमें स्वच्छता, सरलता और सहजग्राह्यता हो, प्रसाद गुण कहलाता है।

(4) माधुर्य गुण का संबंध शृंगार, करुण और शांत रसों से होता है।

78. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) रसाभिव्यक्ति के कारणों को विभाव कहते हैं।

(2) आलंबन और उद्दीपन, विभाव के भेद हैं।

(3) जिन क्रियाओं से आलंबन के हृदय में जाग्रत भावों का साक्षात्कार होता है, वह व्यापार अनुभाव कहलाता है।

(4) अनुभावों के कायिक, वाचिक, सात्विक, आहार्य आदि भेद किए गए हैं।

79. इनमें से कौन सा कथन गलत है ?

(1) प्रलय सात्विक से तात्पर्य है - शरीर का कंपायमान होना।

(2) व्रीडा संचारी का अर्थ है - लज्जा

(3) बीभत्स रस का स्थाई भाव जुगुप्सा है।

(4) हास्य रस का मित्र रस शृंगार रस है।

80. भरतमुनि के रसनिष्पत्ति विषयक सूत्र के प्रथम व्याख्याता थे

(1) भट्टनायक (2) अभिनव गुप्त

(3) भट्ट लोल्लट (4) शंकुक

81. 'काव्यं यशसे अर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतर क्षतये ।....' - काव्य प्रयोजन विषयक उपर्युक्त कथन किस आचार्य का है ?

(1) आचार्य दण्डी

(2) आचार्य मम्मट

(3) आचार्य विश्वनाथ

(4) आचार्य भामह

82. रस विषयक कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) आचार्य भरत ने 'नाट्यशास्त्र' में रसों की संख्या आठ मानी है।

(2) नाट्यशास्त्र में संचारी भावों की संख्या 33 मानी गई है।

(3) आचार्य भरत ने आठ प्रकार के 'सात्विक' भावों का उल्लेख किया है।

(4) करुण रस का उल्लेख नाट्यशास्त्र में नहीं है।

83. 'रमणीयार्थ प्रतिपादक: शब्द: काव्यम् ।' - काव्यलक्षण से संबंधित उक्त कथन किस विद्वान का है ?

(1) पंडितराज जगन्नाथ

(2) आचार्य विश्वनाथ

(3) आचार्य मम्मट

(4) आचार्य वामन

84. इनमें ध्वनि विषयक गलत कथन है
(1) काव्य-सिद्धान्त के रूप में 'ध्वनि' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'ध्वन्यालोक' नामक ग्रंथ में मिलता है।
(2) ध्वनि सिद्धान्त वैयाकरणों के 'स्फोटवाद' पर आधारित है।
(3) विद्वान उस काव्य को ध्वनि कहते हैं जिसमें कथित शब्द और अर्थ अपने को गौण बनाकर व्यंग्यार्थ की अभिव्यक्ति करते हैं।
(4) आचार्यों ने ध्वनिकाव्य के दो प्रमुख भेद माने हैं – (i) लक्षणामूला (ii) व्यंजनामूला।

85. इनमें 'वक्रोक्ति' विषयक कौन सा कथन सही नहीं है ?
(1) आचार्य कुंतक ने वक्रोक्ति को काव्य की आत्मा के रूप में स्वीकार किया है।
(2) इस सिद्धान्त का प्रमुख ग्रंथ है – 'वक्रोक्ति जीवितम्'।
(3) आचार्य कुन्तक ने वक्रोक्ति के प्रमुख भेद आठ माने हैं।
(4) कुन्तक औचित्य को 'वक्रोक्ति' का अनिवार्य तत्त्व मानते हैं।

86. रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?
(1) साधारणीकरण का सिद्धान्त वस्तुतः भट्ट लोल्लट की देन है।
(2) 'उत्पत्तिवाद' के अनुसार रस का विभावादि के साथ 'उत्पाद्य-उत्पादक भाव संबंध' माना गया है।
(3) अभिधा से काव्य का अर्थबोध होने के बाद भावकत्व व्यापार द्वारा विभावादि का साधारणीकरण होता है।
(4) शंकुक का रसनिष्पत्ति सिद्धांत 'अनुमितिवाद' कहलाता है।

87. 'अनुकरण सिद्धान्त' की दृष्टि से कौन सा कथन सही नहीं है ?
(1) अनुकरण की दृष्टि से अरस्तू का मत प्लेटो के मत से भिन्न है।
(2) अरस्तू शुद्ध प्रतिकृति को मानते हैं, भावनामय और कल्पनामय अनुकरण को नहीं।
(3) अनुकरण को नया अर्थ प्रदानकर अरस्तू ने कला का स्वतंत्र अस्तित्व स्थापित किया।
(4) अरस्तू कला को प्रकृति की अनुकृति मानते हैं।

88. लोंजाइनस के 'उदात्त तत्त्व' की दृष्टि से कौन सा कथन गलत है ?
(1) महान् धारणाओं की क्षमता तथा भावावेश की तीव्रता 'उदात्त तत्त्व' के अंतरंग पक्ष माने गये हैं।
(2) अंतरंग पक्ष को लोंजाइनस ने जन्मजात माना है।
(3) अलंकार योजना को 'उदात्त तत्त्व' का विरोधी माना गया है।
(4) उत्कृष्ट भाषा 'उदात्त तत्त्व' का बहिरंग पक्ष है।

89. 'मार्क्सवाद' से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?
(1) कार्ल मार्क्स का सिद्धान्त 'द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद' के नाम से प्रचलित है।
(2) इसमें लोकमंगल और मानवतावादी पक्ष पर बल दिया जाता है।
(3) कला और साहित्य के क्षेत्र में मार्क्सवाद व्यक्तिवादी दृष्टिकोण के स्थान पर समाजवादी यथार्थ की प्रवृत्ति को प्राथमिकता देता है।
(4) मार्क्सवाद के अनुसार समाज में कला का स्थान पहले है और श्रम का उसके बाद।

90. मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान मानने वाले मनोवैज्ञानिक हैं

(1) पोम्पोनाजी (2) वाटसन

(3) विलियम वुण्ट (4) डेकार्टे

91. शिक्षा मनोविज्ञान व्यावहारिक रूप है

(1) बाल मनोविज्ञान का

(2) समाज मनोविज्ञान का

(3) सामान्य विज्ञान का

(4) मनोविज्ञान का

92. स्टेनले हाल ने किस पुस्तक में किशोरावस्था का विस्तृत खाका खींचा है ?

(1) डवलपमेंटल साईकोलाजी

(2) एडोलसेन्स

(3) नेचर ऑफ एडोलसेन्ट्स

(4) डवलपमेन्ट इन एडोलसेन्ट्स

93. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) प्रत्यक्षीकरण की प्रक्रिया द्वारा हम अपने चारों ओर के संसार की प्रथम सूचना प्राप्त करते हैं।

(2) आत्मसातीकरण से तात्पर्य है, वह नया ज्ञान जिससे पुराने संबोध प्रभावित नहीं होते।

(3) समायोजन का अर्थ है – किसी नए ज्ञान को प्राप्त करने के लिए पुराने संबंधों की मनोवैज्ञानिक रूप में पुनर्संरचना, पुनर्नियमित करना और परिवर्तन करना।

(4) प्रतिवर्तिता किसी वस्तु के आधारभूत गुणों को पहचानने की योग्यता को कहते हैं।

94. पियाजे के अनुसार मानसिक विकास को प्रभावित करने वाले घटकों में शामिल नहीं है –

(1) गतिवर्द्धन

(2) साम्यावस्था

(3) सामाजिक अंत:क्रिया

(4) परिपक्वता

95. कौन सा कथन टोमी फुस्नोट द्वारा निर्धारित रचनावाद के सिद्धांतों पर आधारित नहीं है ?

(1) जो हम पहले से जानते हैं, अधिगम उस पर निर्भर करता है।

(2) अधिगम विचारों की खोज है न कि मात्र यांत्रिक तरीके से विचारों का संग्रह

(3) नए विचारों का उदय पुराने विचारों में बदलाव एवं समाहित करने पर होता है।

(4) रचनावाद में अध्यापक की भूमिका ज्ञान के प्रेषक के रूप में होती है।

96. मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषता नहीं है

(1) सामंजस्य की योग्यता

(2) शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत

(3) सामंजस्य की योग्यता का अभाव

(4) व्यक्तिगत सुरक्षा की भावना

97. जीन पियाजे की संज्ञानात्मक विकास अवस्था में मूर्त क्रिया अवस्था मानी गयी है

(1) 2 से 7 वर्ष (2) 5 से 7 वर्ष

(3) 11–16 वर्ष (4) 7–11 वर्ष

98. शैक्षिक तकनीकी तृतीय या प्रणाली विश्लेषण की विशेषता नहीं है

(1) ये गेस्टाल्ट मनोविज्ञान पर आधारित है ।

(2) इस प्रणाली का जन्म कठोर शिल्प उपागम व कोमल शिल्प उपागम के मेल स्वरूप हुआ ।

(3) यह सीखने तथा शिक्षण के सिद्धांतों से सम्बन्धित है ।

(4) इस उपागम में सम्प्रेषण नियंत्रण प्रारूप एवम् पुनर्बलन भी सम्मिलित हैं ।

99. वैज्ञानिक पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान का मुख्य उद्देश्य है

(1) छात्रों की आगमन तर्क शक्ति विकसित करना ।

(2) छात्रों में ज्ञानात्मक कौशलों का विकास करना ।

(3) पाठ्यवस्तु को रोचक एवम् सार्थक बनाना ।

(4) छात्रों में चिन्तन सम्बन्धी नीतियों का विकास करना ।

100. निम्नांकित में से प्रक्षेपित शिक्षण सहायक सामग्री नहीं है

(1) दूरदर्शन

(2) फिल्म्स

(3) फिल्म स्ट्रिप

(4) ऑवरहेड प्रोजेक्टर

101. शिक्षण प्रतिमान का कौन सा तत्त्व विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण से संबंधित है ?

(1) उद्देश्य

(2) सामाजिक प्रणाली

(3) संरचना

(4) मूल्यांकन प्रणाली

102. निम्न में से सम्प्रेषण की विशेषता नहीं है

(1) सम्प्रेषण एक पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित करने की प्रक्रिया है ।

(2) सम्प्रेषण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है ।

(3) प्रभावशाली सम्प्रेषण उत्तम शिक्षण के लिए एक बुनियादी तत्त्व है ।

(4) सम्प्रेषण सदैव गत्यात्मक प्रक्रिया नहीं होती है ।

103. भाषा शिक्षण में लेखन कौशल के विकास में सबसे अधिक सहायक है

(1) ओडियो टेप रिकार्डर

(2) वर्ड प्रोसेसिंग कार्यक्रम

(3) भाषा प्रयोगशाला

(4) रेडियो व दूरदर्शन

104. हिन्दी शिक्षण में पूरक पुस्तकें निम्न में से किस उद्देश्य की पूर्ति में सहायक नहीं है ?

(1) सूक्ष्म अध्ययन में

(2) स्थूल अध्ययन में

(3) स्वाध्याय की योग्यता विकसित करने में

(4) सद्वृत्तियों को विकसित करने में

105. बुद्धि का कौन सा सिद्धान्त 'उद्दीपक प्रतिक्रिया' सिद्धान्त पर आधारित है ?

(1) बहुखण्ड का सिद्धान्त

(2) मात्रा सिद्धान्त

(3) दो खण्ड सिद्धान्त

(4) तीन खण्ड सिद्धान्त

106. "एक परिस्थिति में सीखा हुआ काम दूसरी परिस्थिति में उसी प्रकार करना" यह कथन सीखने के किस नियम पर आधारित है ?

(1) आत्मीकरण का नियम

(2) प्रभाव का नियम

(3) सम्बन्धित परिवर्तन का नियम

(4) आंशिक क्रिया का नियम

107. निम्नांकित में से कौन सा विकल्प अभिक्रमित अनुदेशन से सम्बन्धित नहीं है ?

(1) इसके अन्तर्गत हम सुकराती विधि का अध्ययन करते हैं ।

(2) शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन को आन्तरिक अभिक्रम भी कहा जाता है ।

(3) कहानी शिक्षण में रेखीय अभिक्रमित विधा उत्तम कही जाती है ।

(4) शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की अपेक्षा रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन अधिक प्रभावकारी है ।

108. शिक्षण के हस्तक्षेप चर के अन्तर्गत आते हैं –

(1) शिक्षक

(2) शिक्षण विधियाँ व पाठ्यवस्तु

(3) छात्र

(4) शिक्षक व छात्र दोनों

109. सीखने के वक्र में से कौन से वक्र में छात्र की सीखने की गति प्रारम्भ में धीमी होती है जो बाद में तीव्र हो जाती है ?

(1) सरल रेखीय वक्र

(2) उन्नतोदर वक्र

(3) नतोदर वक्र

(4) मिश्रित वक्र

110. निम्नांकित में से शिक्षा मनोविज्ञान की आत्मनिष्ठ विधि कौन सी है ?

(1) गाथा वर्णन विधि

(2) जीवन इतिहास विधि

(3) मनोविश्लेषण विधि

(4) समाजमिति विधि

111. प्रत्यक्षात्मक चिन्तन सम्बन्धित है

(1) पूर्व निर्मित प्रत्ययों से

(2) पूर्व अनुभवों पर आधारित वर्तमान की वस्तुओं से

(3) पूर्व अनुभवों पर आधारित भविष्य से

(4) समस्या समाधान से

112. निम्नांकित में से कौन सा विकल्प 'बिग्गी' के अवबोध स्तर के शिक्षण के तीन आधार स्तम्भों में से नहीं है ?

(1) सम्बन्ध ज्ञान देना

(2) सीखे गये ज्ञान का प्रयोग

(3) सम्बन्ध ज्ञान देना व सीखे गये ज्ञान का प्रयोग

(4) मानव अनुभव के अर्थ तथा गहन सम्बन्धों का भेदन

113. सीखने के किस सिद्धान्त में पुनर्बलन को अधिक महत्त्व दिया जाता है ?

(1) अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धान्त

(2) क्रियाप्रसूत सिद्धान्त

(3) उद्दीपन अनुक्रिया सिद्धान्त

(4) सूझ तथा अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त

114. गेस्टाल्ट शब्द किस भाषा से सम्बन्धित है ?

(1) जर्मन (2) इटेलियन

(3) लैटिन (4) स्पेनिश

115. "रैविन प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज" परीक्षण बुद्धि के किस तत्त्व का मापन करता है ?

(1) विशिष्ट तत्त्व का

(2) सामान्य तत्त्व का

(3) क्रियात्मक बुद्धि का

(4) विशिष्ट व क्रियात्मक बुद्धि तत्त्व दोनों का

116. मूल प्रवृत्ति सिद्धान्त के जनक हैं

(1) जॉन डीवी (2) वाटसन

(3) मैक्डूगल (4) ऑलपोर्ट

117. कौन सा विकल्प शिक्षण सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं है ?

(1) शिक्षण सिद्धान्त, शिक्षण प्रतिमानों पर निर्भर होते हैं ।

(2) शिक्षण सिद्धान्त अधिगम सिद्धान्त पर निर्भर होते हैं ।

(3) शिक्षण सिद्धान्त में अनुदेशन व उसके प्रारूप को विशेष महत्त्व दिया जाता है ।

(4) शिक्षण सिद्धान्त में शिक्षण के लिए शिक्षक व छात्र की उपस्थिति अनिवार्य नहीं है ।

118. फ्रायड के मनोविश्लेषण सिद्धान्त के अनुसार 'गुप्त अवस्था' की आयु मानी गयी है

(1) 1 से 2 वर्ष

(2) 2 से 5 वर्ष

(3) 5 से 12 वर्ष

(4) 12 वर्ष के पश्चात्

119. रॉबर्ट गैने द्वारा प्रतिपादित अधिगम के आठ प्रकारों में से पाँचवें स्थान पर आता है

(1) विभेद अधिगम

(2) शृंखला अधिगम

(3) सम्प्रत्यय अधिगम

(4) समस्या-समाधान अधिगम

120. अर्ध-शासकीय पत्र से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) संबोधन में महोदय/महोदया शब्द का प्रयोग नहीं होता ।

(2) पत्र की समाप्ति पर 'भवदीय, भवन्निष्ठ' आदि किसी भी शब्द का प्रयोग नहीं होता है ।

(3) पत्र के ऊपर बाईं ओर प्रेषक नाम और पदनाम लिखा जाता है ।

(4) पत्र क्रमांक में अर्ध-शासकीय / अर्ध-सरकारी या डी.ओ. (D.O.) का उल्लेख होता है ।

121. विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश नियमों में संशोधन की सूचना संबद्ध महाविद्यालयों को किस रूप में भेजी जायेगी ?

(1) अधिसूचना द्वारा

(2) कार्यालय आदेश द्वारा

(3) परिपत्र द्वारा

(4) अर्ध-शासकीय पत्र द्वारा

122. शब्दकोश की दृष्टि से शब्दों का सही क्रम किस विकल्प में है ?

(1) उऋण, ऋषि, ग्रीष्म, ज्ञान

(2) ऋषि, उऋण, ज्ञान, ग्रीष्म

(3) उऋण, ऋषि, ज्ञान, ग्रीष्म

(4) ऋषि, उऋण, ग्रीष्म, ज्ञान

123. किस शब्द का संधि-विच्छेद गलत है ?

(1) पावक = पौ + अक

(2) अक्षौहिणी = अक्ष + ऊहिनी

(3) सन्नारी = सत् + नारी

(4) रमेश = राम + ईश

124. इनमें से कौन सा संधि शब्द सही नहीं है ?

(1) तत् + जन्य = तद्जन्य

(2) सत् + गति = सद्गति

(3) विद्वत् + मंडल = विद्वन्मंडल

(4) चित् + आकाश = चिदाकाश

125. इनमें कौन सा समास-विग्रह सही नहीं है ?

(1) काव्यनिपुण = काव्य में निपुण

(2) राष्ट्रभक्ति = राष्ट्र की भक्ति

(3) देशभक्त = देश का भक्त

(4) श्रमसाध्य = श्रम से साध्य

126. इनमें कौन सा सामासिक पद गलत है ?

(1) स्वर्ग को गत = स्वर्गगत

(2) शत अब्दों (वर्षों) का समूह = शताब्दी

(3) काला है जो साँप = कालासाँप

(4) जीवन पर्यन्त = आजन्म

127. किस शब्द में 'वि' उपसर्ग है ?

(1) वित्त (2) व्यथा

(3) व्यतीत (4) विदित

128. किस शब्द में 'ईन' प्रत्यय है ?

(1) जमीन (2) ग्रामीण

(3) जहीन (4) महीन

129. किस शब्द में 'एरा' प्रत्यय नहीं है ?

(1) कमेरा (2) सपेरा

(3) ममेरा (4) सवेरा

130. किस शब्द में दो से अधिक उपसर्ग हैं ?
(1) समारंभ
(2) अविस्मरणीय
(3) अव्यवस्था
(4) अत्याचार

131. कौन सा शब्द 'अनेकार्थी' शब्द 'गुरु' से संबद्ध नहीं है ?
(1) पृथ्वी (2) भारी
(3) बड़ा (4) श्रद्धेय

132. इनमें कौन सा विलोम-युग्म सही नहीं है ?
(1) रहित-विरहित (2) स्मरण-विस्मरण
(3) संकल्प-विकल्प (4) सम्मुख-विमुख

133. कौन सा विलोम-युग्म सही है ?
(1) नत-आनत (2) मुक्ति-विमुक्ति
(3) शिष्ट-विशिष्ट (4) संघटन-विघटन

134. इनमें से किस शब्द-युग्म का अर्थभेद सुमेलित नहीं है ?
(1) जठर-जरठ = पेट-बूढ़ा
(2) चक्रवात-चक्रवाक = बवंडर-चकवा
(3) कटिबंध-कटिबद्ध = तैयार-कमरबंद
(4) कटौती-कठौती = कमी-काष्ठपात्र

135. किस विकल्प में वाक्यांश के लिए सही शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है ?
(1) छोटे बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत = लोरी
(2) पर्वत के ऊपर की समतल भूमि = उपत्यका
(3) गुरु के पास रहकर पढ़ने वाला = अन्तेवासी
(4) वह व्यक्ति जिसे थोड़ा ज्ञान हो = अल्पज्ञ

136. किस विकल्प के सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं ?
(1) सुत, तनय, आत्मज
(2) ईर्ष्या, असूया, मत्सर
(3) पाषाण, प्रस्तर, उत्पल
(4) रश्मि, अंशु, मयूख

137. वर्तनी की दृष्टि से किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं ?
(1) अनुग्रहित, पड़ौसी, द्वारिका
(2) विरहणी, वापस, श्रंगार
(3) आधीन, अतिथी, स्थायी
(4) दम्पती, अहल्या, द्रष्टव्य

138. व्याकरण की दृष्टि से कौन सा वाक्य शुद्ध है ?
(1) चोरी करती पकड़ी जाने पर वह झेंप गई।
(2) आप जयपुर से कब लौटेंगे ?
(3) मैं उनके यहाँ कई बार जा आया हूँ।
(4) जरा सी तारीफ़ करते ही वह फूल कर कुप्पी हो गई।

139. मुद्रित माध्यमों के लिए समाचार लेखन से संबंधित कौन सा कथन सही नहीं है ?
(1) समाचार की शुरुआत जिन पंक्तियों से होती है, उसे खबर का 'आमुख' या 'इंट्रो' कहा जाता है।
(2) समाचार लेखन में छः 'ककार' का महत्वपूर्ण स्थान है।
(3) 'उल्टा पिरामिड शैली' में घटनाओं को समापन, बॉडी और इंट्रो के क्रम में प्रस्तुत किया जाता है।
(4) आमतौर पर समाचार 'उल्टा पिरामिड' शैली में ही लिखे जाते हैं।

140. किस शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग हुआ है ?

(1) आग्नेय (2) अस्तित्व

(3) निष्कासित (4) अधुनातन

निर्देश : प्र.सं. **141 - 143** के उत्तर निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दीजिए :

पद्यांश :

कठिन पथ को देख मुस्काते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा ।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा ।

यह असंभव कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन ।
सच बताऊँ, जिंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ शक्ति बिन ।

141. पद्यांश में किसका गुणगान किया गया है ?

(1) वाग्वीर का (2) दानवीर का

(3) कर्मवीर का (4) धर्मवीर का

142. 'असंभव' शब्द का प्रयोग कौन करता है ?

(1) श्रमिक (2) कायर

(3) उद्यमी (4) कृषक

143. किस विशेषता के बिना जीवन व्यर्थ नहीं जाता ?

(1) धन-संपदा (2) दर्प

(3) उत्साह (4) शक्ति

निर्देश : प्र.सं. **144 - 146** के उत्तर निम्नलिखित गद्यावतरण के आधार पर दीजिए :

गद्यावतरण :

जो भाषा किसी राष्ट्र के भिन्न-भिन्न भाषाभाषियों के पारस्परिक विचार-विनिमय का साधन बनती है, समूचे राष्ट्र को भावात्मक एकता के सूत्र में बाँधती है, देश की परम्पराओं और संस्कृति से जुड़ी होती है, उसे राष्ट्रभाषा कहते हैं । वैसे किसी भी राष्ट्र में प्रचलित सभी भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ होती हैं, परन्तु प्रत्येक समृद्धिशाली राष्ट्र की कोई एक भाषा ही राष्ट्रभाषा के नाम से अभिहित की जाती है, क्योंकि वह भाषा उस राष्ट्र की प्रतीक होती है, उसमें सारे राष्ट्र की अंतरात्मा विद्यमान रहती है, वह उस राष्ट्र की संस्कृति की संवाहिका होती है, विदेशी राष्ट्रों में उसे समुचित सम्मान दिया जाता है ।

144. उक्त अवतरण में राष्ट्रभाषा को परिभाषित करने में किस घटक का उल्लेख नहीं हुआ है ?

(1) विभिन्न भाषाभाषियों के विचार-विनिमय का साधन होती है ।

(2) उसकी समृद्ध साहित्यिक परम्परा होती है ।

(3) सम्पूर्ण राष्ट्र को भावात्मक एकता में बाँधती है ।

(4) देश की परम्पराओं और संस्कृति से जुड़ी होती है ।

145. उक्त अवतरण के अनुसार किन भाषाओं को राष्ट्रीय भाषाएँ कहा गया है ?

(1) प्राचीन साहित्य वाली भाषाओं को

(2) लिखित साहित्य वाली भाषाओं को

(3) समृद्ध साहित्य वाली भाषाओं को

(4) लोगों में प्रचलित सभी भाषाओं को

146. राष्ट्रभाषा की व्यापक विशेषताओं में किस तथ्य का उल्लेख नहीं है ?

(1) वह अपने राष्ट्र का प्रतीक होती है ।

(2) राष्ट्र की संस्कृति की संवाहिका होती है ।

(3) उसकी साहित्यिक धरोहर अत्यंत समृद्ध होती है ।

(4) उसमें समग्र राष्ट्र की अंतरात्मा विद्यमान रहती है ।

147. "लिखन बैठि जाकी छबी, गहि गहि गरब गरूर ।
भए न केते जगत के, चतुर चितेरे कूर ।।"

'सृजन' में संकलित इस दोहे के आधार पर बताइए कि चतुर चित्रकारों को भी मूढ़ क्यों बनना पड़ा ?

(1) घूँघट के कारण चित्रकार नायिका का वास्तविक रूप-सौंदर्य देख ही नहीं पाए ।

(2) चित्रकार वास्तव में चतुर नहीं अपितु अहंकारी थे ।

(3) नायिका का सौंदर्य प्रतिक्षण बदलते जाने के कारण उसका यथार्थ चित्रांकन संभव नहीं ।

(4) प्रतिस्पर्द्धा के कारण चित्रकार एक-दूसरे की आलोचना करते ही रह गए ।

148. "बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
जरा टेढ़ी फँस गई ।"

'सृजन' में संकलित इस काव्यांश का क्या भावार्थ है ?

(1) चमत्कारपूर्ण भाषा-प्रयोग से कविता प्रभावशाली बन जाती है ।

(2) सिद्धहस्त कवि भाषा-चमत्कार द्वारा टेढ़ी बात को भी सरलता से व्यक्त कर देते हैं ।

(3) टेढ़ी-सरल सभी बातें भाषा द्वारा ही व्यक्त होती हैं ।

(4) जटिल शब्द-प्रयोग से सीधी बात भी उलझकर अग्राह्य बन जाती है ।

149. अनाथ विधवा द्वारा सिली हुई कमीज (मजदूरी और प्रेम पाठ के संदर्भ में) को लेखक ने किस रूप में प्रस्तुत किया है ?

(1) आत्मा के वस्त्र के रूप में

(2) तनरक्षक कवच के रूप में

(3) चाँद-सितारों के रूप में

(4) रत्नजड़ित राजसी वेशभूषा के रूप में

150. इनमें से कौन सा विचार 'सृजन' में संकलित 'मैं और मैं' नामक निबंध में प्रतिपादित नहीं किया गया है ?

(1) मनुष्य का प्राथमिक कर्त्तव्य है कि वह स्वयं से पहले दूसरों के विषय में सोचे ।

(2) मनुष्य निरंतर कर्मरत रहे ।

(3) मनुष्य को अहंकार का बोझ नहीं लादना चाहिए ।

(4) मनुष्य को संघर्षों से नहीं घबराना चाहिए ।

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK